



Gauri Shankar Sharma



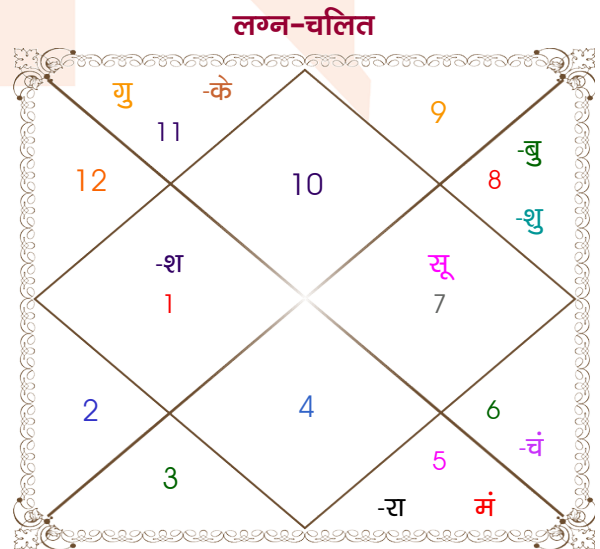
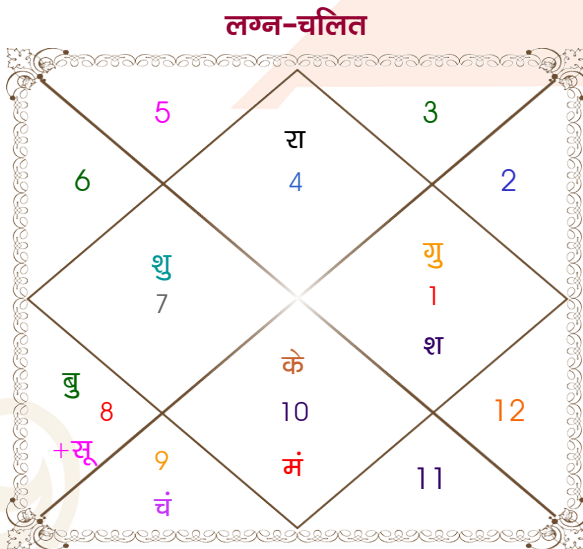
Punita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121361803

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 10/12/1999 : _____ जन्म तिथि _____ 15/11/1998
 शुक्रवार : _____ दिन _____ रविवार _____
 घंटे 21:00:00 : _____ जन्म समय _____ 13:09:00 घंटे
 घटी 34:40:20 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 15:47:44 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Chawadiya : _____ स्थान _____ Ren
 26:10:06 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 26:47:00 उत्तर
 74:38:25 पूर्व : _____ रेखांश _____ 74:05:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:31:26 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:33:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 07:07:52 : _____ सूर्योदय _____ 06:53:08
 17:40:13 : _____ सूर्यास्त _____ 17:43:15
 23:51:08 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:50:18

विंशोत्तरी शुक्र 4वर्ष 8मा 15दि मंगल		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 4वर्ष 9मा 25दि राहु	
26/08/2020		09:49:06	कर्क	लग्न	मक	29:50:11	10/09/2010	
26/08/2027		24:16:07	वृश्चि	सूर्य	तुला	28:53:29	10/09/2028	
		23:31:37	धनु	चंद्र	कन्या	16:54:27		
		17:11:01	मक	मंगल	सिंह	29:16:20		
मंगल	22/01/2021	05:32:32	वृश्चि	बुध	वृश्चि	21:11:54	राहु	23/05/2013
राहु	09/02/2022	01:19:52	मेष	गुरु	कुंभ	24:19:42	गुरु	17/10/2015
गुरु	16/01/2023	11:38:24	तुला	शुक्र	वृश्चि	02:56:49	शनि	23/08/2018
शनि	25/02/2024	17:23:11	मेष	शनि	मेष	04:36:14	बुध	11/03/2021
बुध	21/02/2025	10:33:52	कर्क	राहु	सिंह	03:47:26	केतु	30/03/2022
केतु	20/07/2025	10:33:52	मक	केतु	कुंभ	03:47:26	शुक्र	29/03/2025
शुक्र	19/09/2026	19:58:43	मक	हर्ष	मक	15:17:27	सूर्य	21/02/2026
सूर्य	25/01/2027	08:37:36	मक	नेप	मक	05:52:50	चन्द्र	23/08/2027
चन्द्र	26/08/2027	16:47:16	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:29:50	मंगल	10/09/2028



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

लंनतपौंदांतौतउं का वर्ग श्वान है तथा च्दपजं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लंनतपौंदांतौतउं और च्दपजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लंनतपौंदांतौतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल लंनतपौंदांतौतउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल लंनतपौंदांतौतउं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्दपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।
क्योंकि मंगल एवं राहु चन्दपजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

लंनतपौंदांतौतउं तथा चन्दपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

